



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 251]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 12, 1989/वैशाख 22, 1911

No. 251]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 12, 1989/VAISAKHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1989

(बीमा)

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा
निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1989

ग. का. नि. 515 (अ)—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम
अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी
(सेवा निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और
संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबन्धनों
और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) इसमें इसके पश्चात् यथा उपबन्धित के विषय, इन नियमों के
उपबन्धों को 1 अगस्त 1987 से लागू गमना जाएगा।

2 भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा
निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिन्हें इसमें इसके

पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित
खंड रखा जाएगा, अर्थात्—

“(घ) “प्रोग्रेसि विनियम” से भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग
3 और वर्ग 4 कर्मचारी (प्रोग्रेसि) नियम, 1987 अभिप्रेत
है।

3 उक्त नियमों के नियम 3 में “इन नियमों के नियम 4 से 19
तक” शब्दों और अंकों के स्थान पर “समय-समय पर यथामुचित इन
नियमों के” शब्द रखे जाएंगे।

4 उक्त नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा
जाएगा, अर्थात्—

“4. वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान—

(1) वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान निम्नलिखित होंगे—

अधीक्षक 1910-110-2020-120-3700 रु.

उच्चतर श्रेणी सहायक 1470-80-1710-100-1910-110-2020-
द.रो -120-3460 रु.

अनुभाग अध्यक्ष 1270-80-1910-110-2020-120-
3220 रु.

आगुलपिक 1240-70-1450-80-1930-100-2130-
120-2490-द. रो.-120-3090 रु.

सहायक, गहरीता और 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-

संशयकर्ता, रोकड़िया,	1930-100-2130-र. रॉ.-120-
टकर, टेलिफोन अपरेटर,	2850 र.
कॉटोमीटर अपरेटर प्रा-	
जेबनकर्ता, माइक्रोप्रोसेसर	
अपरेटर	
अभिलेख लिपिक	930-30-990-10-1150-50-1400- र
	रॉ.-60-2000 र.

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमानों के अधिस्थित निम्न-लिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भत्ता प्राप्त करेंगे —

1 उच्चतर श्रेणी महायक जो आन्तरिक लेखा परीक्षा महायको के रूप में नियुक्त किए गए हैं .

(क) प्रथम पांच वर्षों के लिए	180 रु. प्रतिमास
(ख) आगामी पांच वर्षों के लिए	200 रु. प्रतिमास
(ग) पञ्चावधियों वर्षों के लिए	225 रु. प्रतिमास

2 महाभा और संशयकर्ता, रोकड़िया के 175 रु. प्रतिमास रूप में नियुक्त महायक

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ते को मूल वेतन का भाग गमना जाएगा

परन्तु विशेष भत्ते के 60 प्रतिशत का भविष्य निधि, उपदान, मकान किराया भत्ता और प्रोन्नति पर वेतन के पुनः नियत करने के लिए गणना में लिया जाएगा ।

(4) वर्ग 3 के कर्मचारियों के निम्नलिखित प्रवर्गों को निम्नानुसार कार्यात्मक भत्ता दिया जाएगा —

(क) अभिलेख लिपिक के वेतनमान में, बॉडा, 30 रु. प्रतिमास डुप्लीकेटिंग और जैरोक्स मशीन संचालक
(ख) महायको के वेतनमान में माइक्रोप्रोसेसर 100 रु. प्रतिमास अपरेटर
(ग) उच्चतर श्रेणी महायको के वेतनमान में 150 रु. प्रतिमास प्रोद्योग

परन्तु विद्यमान वर्ग 3 कर्मचारी, जो इन नियमों के प्रारम्भ के ठीक पूर्व में कार्यात्मक भत्ता प्राप्त कर रहा है वैसे ही कार्यात्मक भत्ता तब तक लेता रहेगा जब तक कि वह अपने द्वारा धारित ऐसे पद पर बना रहता है जिसमें कार्यात्मक भत्ता जुड़ा हुआ है, किन्तु इसे भविष्य में मजदूरी के पुनरीक्षण में अभिहित कर दिया जाएगा ।

5. उक्त नियमों में, नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् —

“6 वर्ग 4 के अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान—

(1) वर्ग 1 के अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमान इस प्रकार होंगे -	
ट्राइबर	930-10-1210-50-1810 रु.
मिपाही, हम्मास, प्रधान	815-25-940-35-1260-40-1460-50-
चपरामी, लिफ्टमैन तथा	1510 रु.
चीकीदार	
मार्बल और सफाई वाला	785-25-910-25-1335-40-1455 रु.

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमानों के अधिस्थित निम्न-लिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भत्ता प्राप्त करेंगे जिसे सभी प्रयोगों के लिए मूल वेतन के रूप में गिना जाएगा —

प्रधान चपरामी, लिफ्टमैन 70 रु. प्रतिमास

और चीकीदार

(3) मिपाही के वेतनमान में वृद्धि मशीन अपरेटरों को 20 रु. प्रतिमास भत्ता दिया जाएगा ।

6. उक्त नियमों के नियम 7 में —

(क) शब्द (क) में उपखंड (i) के स्थान पर निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, अर्थात्—

“(i) वर्ग 3 में अधिलेख लिपिक, महायक या आणुलिपिक के वेतनमान में , या”

(ख) शब्द (ख) में, “अभिलेख लिपिक” शब्द का लोप किया जाएगा ।

7. उक्त नियमों के नियम 8 में

(क) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“(1) वर्ग 3 और वर्ग 1 के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का मापमान निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जाएगा —

सूचकांक औद्योगिक कर्मचारियों का अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

आधार : 1960-100 की श्रृंखला में सूचकांक में 600

दर . वर्ग 3 के कर्मचारी

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 600 प्वाइंटों के ऊपर त्रैमासिक औसत में प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए वर्ग 3 कर्मचारी को महंगाई भत्ता निम्नलिखित दरों पर दिया जाएगा —

मूल वेतन	प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए महंगाई भत्ते की दर
(i) 1650 रु. तक	मूल वेतन का 0.67 प्रतिशत
(ii) 1651 रु. से 2850 रु. तक	1650 रु. का 0.67 प्रतिशत घन 1650 रु. से अधिक मूल वेतन या 0.55 प्रतिशत
(iii) 2851 रु. और उससे अधिक	1650 रु. का 0.67 प्रतिशत घन 2850 रु. और 1650 रु. के बीच अंतर, घन 2850 रु. से अधिक मूल वेतन का 0.33 प्रतिशत

वर्ग 1 के कर्मचारी

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 600 प्वाइंटों के त्रै-मासिक औसत में प्रत्येक 4 प्वाइंटों के लिए मूल वेतन और विशेष भत्ते का, यदि कोई हो 0.67 प्रतिशत

(ख) उपनियम (2) में, “332 प्वाइंटों के ऊपर-332-336-340-344 के श्रम में” शब्दों और शब्दों के स्थान पर “600-604-608-612 के श्रम में” 600 प्वाइंट अथवा और शब्द रखे जाएंगे ।

(ग) उपनियम (1) का आप किया जाएगा ।

8. उक्त नियमों के नियम 9 में, उपनियम (1) में ‘दो सौ रु.’ शब्दों के स्थान पर ‘तीन सौ रु.’ शब्द रखे जाएंगे ।

9 उक्त नियमों के नियम 10 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् --

"(1) वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी का मध्य नगर प्रतिकरात्मक भत्ते का मापमान निम्नानुसार होगा --

V तृतीय का स्थान दर

(क) (i) बेनगर जिनकी आबादी 12 लाख से अधिक है, फरीदाबाद गाजियाबाद, नोएडा, गurgaँ और मारुगाबा, 1 अगस्त 1987 से

मूल वेतन का 7 प्रतिशत किन्तु 150 रु. प्रति मास से अधिक नहीं

(ii) मारमोण्ड और वर्जी से भिन्न गोवा राज्य के किसी नगर में, 1 अगस्त, 1988 से

मूल वेतन के 7 प्रतिशत किन्तु 150 रु. प्रति मास से अधिक नहीं

(iii) गुडगांव, वाणी और गार्डनगर से 12 अगस्त, 1989 से

मूल वेतन का 7 प्रतिशत किन्तु 150 रु. प्रति मास से अधिक नहीं।

(ख) (i) बेनगर जिनकी आबादी 5 लाख और उगने अधिक है किन्तु 12 लाख से अधिक नहीं है, राज्यों की राजधानियां जिनकी आबादी 12 लाख से अधिक नहीं है, जडौगढ़, मोहाली, पांडीचेरी और पोर्ट ब्लेयर, 1 अगस्त 1987 से

मूल वेतन का 4 प्रतिशत किन्तु वर्ग 4 के कर्मचारियों के लिए कम से कम 30 रु. प्रति मास और वर्ग 3 के कर्मचारियों के लिए कम से कम 15 रु. प्रति मास और दोनों मामलों में अधिकतम 100 रु.

(ii) पञ्चकुला नगर में, 12 अगस्त, 1989 से

मूल वेतन का 4 प्रतिशत किन्तु वर्ग 4 के कर्मचारियों के लिए कम से कम 30 रु. प्रति मास और वर्ग 3 के कर्मचारियों के लिए कम से कम 15 रु. प्रति मास और दोनों मामलों में अधिकतम 100 रु.

टिप्पण 1 इस नियम के प्रयोजनों के लिए आबादी के आँकड़े वे होंगे जो 1981 की जनगणना में दिए गए हैं।

2 नगरों के अन्तर्गत उनकी बस्तियाँ भी हैं।

10 उक्त नियमों के नियम 11 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् --

"पर्वतीय स्थान भत्ता वर्ग 3 और वर्ग 4 को देय पर्वतीय स्थान भत्ते का मापमान निम्नानुसार होगा --

(1) समुद्र तल से 1,500 मीटर और उससे अधिक ऊँचाई पर अवस्थित स्थान पर निवास

मूल वेतन के 7 प्रतिशत की दर पर किन्तु 150 रु. प्रति मास से अधिक नहीं

(ii) समुद्र तल से 1,000 मीटर और उससे ऊपर किन्तु 1,500 मीटर से कम की उचाई पर अवस्थित स्थानों पर पशुस्थ मरकारा और ऐसे स्थानों पर पशुस्थ जिन्हें केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए "पर्वतीय स्थान" घोषित किया गया है।

मूल वेतन के 5 प्रतिशत की दर पर किन्तु 125 रु. प्रति मास से अधिक नहीं।

11 उक्त नियमों के नियम 12 का लोप किया जाएगा।

12 उक्त नियमों के नियम 13 के उपनियम (1) में 1 अप्रैल 1989 में "8 प्रतिशत" शब्दों और शब्द के स्थान पर "10 प्रतिशत" शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

13 उक्त नियमों के नियम 10 में उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् --

"(5) उपनियम (1) और (4) में अंतर्लिखित किसी बात के होने हुए भी

(i) जहाँ किसी कर्मचारी पर प्रबन्धन या अन्य कर्मचारियों के विरुद्ध हिंसा में अन्तर्ग्रस्त किसी कार्य के लिए या नियोजन के स्थान से या उसके निकट किसी बलबाई या विचक्षण व्यवहार के लिए या किसी ऐसे अपराध के लिए, जिसमें नैतिक अवमत्ता अन्तर्ग्रस्त हो, परन्तु तब जब ऐसा अपराध उसने अपने नियोजन के अनुपम में किया हो, पदच्युति की शास्ति अधिरोपित की जाती है, वहाँ उसे देय अनुदान पूर्णतः समपद्धत हो जाएगा, और

(ii) जहाँ अनिर्वाय मेमोरान्डम, सेवा में हटाए जाने या पदच्युति की शास्ति किसी कर्मचारी पर उसके ऐसे कार्य के लिए जिसमें निगम को विनीय हानि नहीं पड़े, अधिरोपित की जाए, वहाँ उसको देय उपदान से उसकी राशि समपद्धत होगी जितनी हानि हुई हो।"

14 उक्त नियमों के नियम 19 के पश्चात् निम्नलिखित नियम प्रस्तापित किए जाएंगे, अर्थात् --

"19 के स्तानक भत्ता .

(1) अधिलेख लिपिक, महायुक्त या प्राणुलिपिक के वेतनमान में ऐसे कर्मचारी को,--

(क) जो अपनी नियुक्ति के समय स्तानक हो, जब ऐसी नियुक्ति 1 अप्रैल, 1989 के पश्चात् की गई हो, या

(ख) जो 1 अप्रैल 1989 को या उसके पश्चात् स्तानक हो जाता है, या

(ग) जो 1 अप्रैल, 1989 से पूर्व स्तानक था किन्तु उसे स्तानक वेतन वृद्धि नहीं दी गई थी।

50 रु. प्रति मास की रकम, यदि वह अधिलेख लिपिक के वेतनमान में है और 130 रु. प्रति मास की रकम यदि वह महायुक्त या प्राणुलिपिक के वेतनमान में है।

(i) खंड (क) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में नियुक्ति की तारीख में,

(ii) खंड (ख) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में उस मास में अगले मास की पड़ती तारीख में जिसमें परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाए,

(iii) खंड (ग) के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों के मामले में 1 अप्रैल, 1989 में दिया जाएगा।

(2) ऐसे किसी कर्मचारी को, जो महायुक्त या प्राणुलिपिक के वेतनमान में हो, जिसे स्तानक होने का कारण 1 अप्रैल, 1989 से पूर्व से ही वेतन वृद्धि मिल रही हो, और जिसने उक्त नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट अंतिम वेतन वृद्धि प्राप्त कर ली हो, ऐसा भत्ता तीसरे दी गई दर पर और तारीखों में दिया जाएगा।

ये तारीखें जिसमें भत्ता संदेय है

रकम

(i) (क) 1 अप्रैल, 1989 में; या

(ख) जिस मास में एक वर्ष की सेवा जो उक्त नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट अंतिम वेतन वृद्धि की तारीख में प्रारंभ होगी, पूरी की हो उससे अगले मास की पड़ती तारीख से, जो भी बाद में हो, 65 रु. प्रति मास

(2) (ख) जिस मास में वो वर्ष की सेवा जो उक्त नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निविष्ट अंतिम वेतन वृद्धि की तारीख से पारब्रहोगी, पूरी की हो उससे घटने मास की पहली तारीख में, 130. र. प्रतिमास

(ख) 1 अप्रैल, 1990 से —

जो भी बाद में हो

(3) स्नातक भत्ते का मूल भत्ते का भाग नहीं माना जाएगा।

परन्तु सहायक या प्राणुलिपिक के वेतनमान में किसी कर्मचारी के उक्त भत्ते का 60 प्रतिशत भविष्य निधि, उपदान, भ्रूण किराया भत्ता और प्रोन्नति पर वेतन पुनःनियतन के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

19ख. वैयक्तिक भत्ता : किसी कर्मचारी को दिए जाने वाले वैयक्तिक भत्ते का समायोजन उसके मूल वेतन में बुद्धि या महंगाई भत्ते में उर्वर-गामी पुनरीक्षण जो कर्मचारी इन नियमों के निर्बंधनों के अनुसार पाने का हकदार है, के विरुद्ध किया जाएगा।

[का.सं. 2(6)/बीमा-III/89]

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने 1 अगस्त, 1987 से भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों की सेवा के निर्बंधनों और शर्तों को पुनरीक्षित करने की मजूरी दे दी है। तदनुसार नियमों का 1 अगस्त, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 357(अ), तारीख 11-4-1985 के अधीन प्रकाशित किए गए थे और बाद में उनका संशोधन अधिसूचना सं. सा. का. नि. 18(अ) तारीख 7-1-1986, सा.क.नी. 1076(अ) तारीख 11-9-1986, सा.का.नि. 961(अ), तारीख 7-12-1987 और सा.का.नि. 870(अ) तथा 873(अ), तारीख 22-8-1988 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th May, 1989

INSURANCE

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVISION OF TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE) AMENDMENT RULES, 1989

G.S.R. 515(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision

of Terms and Conditions of Service) Amendent Rules, 1989.

(2) Save as otherwise provided hereinafter, the provisions of these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1987.

2. In rule 2 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as the said Rules), for clause (d), the following clause shall be substituted, namely :—

“(d) “Promotion Regulations” means the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Promotion) Rules, 1987;”

3. In rule 3 of the said Rules, for the words and figures “rules 4 to 19 of these rules”, “these rules as amended from time to time” shall be substituted.

4. For rule 4 of the said Rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“4. Scales of pay of Clats III employees.—(1) The scale of pay of Class III employees shall be as under :—

Superintendents : Rs. 1910-110-2020-120-3700.

Higher Grade Assistants : Rs. 1470-80-1710-100-1910-110-2020-EB-120-3460.

Section Heads : Rs. 1270-80-1910-110-2020-120-3220.

Stenographers : Rs. 1240-70-1450-80-1930-100-2130-120-2490-EB-120-3090.

Assistants Receiving and Paying Cashiers, Typists, Telephone Operators, Comptometer Operators, Projectionists, Micro-processor Operators. Rs. 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-1930-100-2130-EB-120-2850.

Record Clerks : Rs. 930-30-990-40-1150-50-1400-EB-60-2000.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below :—

1. Higher Grade Assistants appointed as Internal Audit Assistants :

(a) for the first five years —Rs. 180 per month

(b) for the next five years —Rs. 200 per month

(c) for the subsequent years—Rs. 225 per month

2. Assistant appointed as Receiving and Paying Cashiers : —Rs. 175 per month

(3) The special allowance referred to in sub-rule (2) shall not be treated as part of basic pay :

Provided that 60 per cent of the special allowance shall count for the purposes of provident fund, gratuity house rent allowance and for re-fixation of salary promotion

(4) Functional allowance to the following categories of class III employees shall be paid as under :—

- (a) Banda, Duplicating and Xerox Machine Operators in the scale of pay of Record Clerks : Rs. 30 per month
- (b) Microprocessor Operators in the scale of pay of Assistants : Rs. 100 per month
- (c) Programmers in the scale of pay of Higher Grade Assistants : Rs. 150 per month

Provided that an existing Class III employee who is in receipt of any functional allowance immediately prior to the commencement of these rules shall continue to draw the same so long as he is holding the post to which the functional allowance is attached, to be absorbed in future wage revision.

5. In the said Rules, for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—

“6. The scales of pay of class IV subordinate employees —

(1) The scales of pay of Class IV subordinate employees shall be as under :—

Drivers :	Rs. 930-40-1210-50-1810
Sepoys, Hamals,	Rs. 815-25-840-35-1260-
Head Peons, Liftmen and Watchmen	40-1460-50-1510.
Sweepers and Cleaners	Rs. 785-25-810-1335-40-1455.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below, which shall count as basic pay for all purposes :

Head Peons, Liftmen and Watchmen Rs. 70 per month

(3) Franking Machine Operators in the scale of pay of Sepoys shall be paid a functional allowance of Rs. 20 per month.

6. In Rule 7 of the said Rules,—

(a) in clause (a), for sub-clause (i), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

“(i) in the scale of Record Clerk, Assistant or Stenographer in Class III, or”

(b) in clause (b), the words “Record Clerk”, shall be omitted;

7. In rule 8 of the said Rules,—

(a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The scales of dearness allowance of Class III and Class IV employees shall be determined as under :

Index : All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers.

Base : Index No. 600 in the series 1960=100

Rate : Class III employees

For every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 600 points, a Class III employee shall be paid Dearness Allowance at the following rate :—

Basic Salary	Rate of D.A. for every 4 points
(i) Upto Rs. 1650	0.67% of basic salary
(ii) Rs. 1651 to 2850	0.67% of Rs. 1650 plus 0.55% of basic salary in excess of Rs. 1650.
(iii) Rs. 2851 and above.	0.67% of Rs. 1650 plus 0.55% of difference between Rs. 2850 and Rs. 1650, plus 0.33% of basic salary in excess of Rs. 2850.

Class IV employees

0.67 per cent of the basic pay and special allowance, if any, for every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 600 points.

(b) in sub-rule (2), for the figures and words “332 points in the sequence 332-336-340-344”, the figures and words “600 points in the sequence 600-604-608-612” shall be substituted.

(c) sub-rule (4) shall be omitted.

8. In rule 9 of the said Rules, in sub-rule (1), for the words “two hundred rupees”, the words “three hundred rupees” shall be substituted.

9 In rule 10 of the said Rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely —

“(1) The scale of city compensatory allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as under —

Place of Posting	Rate
(a) (i) Cities with population exceeding 12 lacs, Faridabad, Ghaziabad, Noida, Panaji and Marmugao, on and from the 1st day of August, 1987	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(ii) Any city in the State of Goa other than Panaji and Marmugao on and from the 19th day of May, 1988	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(iii) Cities of Guirgaon, Vashi and Gandhinagar on and from the 12th day of May, 1989	7% of basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month
(b) (i) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State Capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh, Mohali, Pondicherry and Port Blair on and from the 1st day of August, 1987	4% of basic pay subject to a minimum of Rs 30 per month for Class IV employees and Rs 45 per month for Class III employees and a maximum of Rs 100 per month in both the cases
(ii) City of Panchkula on and from 12th day of May, 1989	4% of basic pay subject to a minimum of Rs 30 per month for Class IV employees and Rs. 45 per month for Class III employees and a maximum of Rs 100 per month in both the cases

- Notes : 1 For the purpose of this rule the population figure shall be those in the 1981 Census Report
- 2 Cities shall include their urban agglomerations

10 For rule 11 of the said Rules, the following shall be substituted, namely —

“11 Hill Allowance The scales of hill allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as follows —

- | | |
|--|---|
| (i) Posted at places situated at a height of 1,500 metres and over above mean sea level | At the rate of 7 per cent of the basic pay subject to a maximum of Rs 150 per month. |
| (ii) Posted at places situated at a height of 1,000 metres and over but less than 1,500 metres above mean sea level, at Mercara and at places which are specifically declared as ‘Hill Stations’ by Central/ State Governments for their employees | At the rate of 5 per cent of the basic pay, subject to a maximum of Rs 125 per month” |

11 Rule 12 of the said Rules shall be omitted.

12 In rule 18 of the said Rules, in sub-rule (1), for the figures and words “8-1/3 per cent”, the figures and words “10 per cent”, shall be substituted on and from 1st day of April, 1989

13 In rule 19 of the said Rules for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely —

“(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) and (4)—

- where the penalty of dismissal is imposed on an employee for any act involving violence against the management or other employees or any riotous or disorderly behaviour in or near the place of employment or for an offence involving moral turpitude provided that such offence is committed by him in the course of his employment, the gratuity payable to him shall stand wholly forfeited, and
- where the penalty of compulsory retirement, removal from service or dismissal is imposed on an employee for any act involving the Corporation in financial loss, the gratuity payable to him shall stand forfeited to the extent of such loss”

14. in the said Rules, after rule 19, the following rules shall be inserted, namely —

“19A Graduation Allowance —

- An employee in the scale of pay of a Record Clerk, Assistant or Stenographer, —
 - who is a graduate at the time of his appointment when such appointment was made after the 1st day of April, 1989, or

- (b) who becomes a graduate on or after the 1st day of April 1989, or
- (c) who was a graduate before the 1st day of April 1989 but was not given any graduation increments

shall be paid an amount of Rs. 80 per month, in case he is in the scale of pay of a Record Clerk and an amount of Rs. 130 per month, in case he is in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer on and from—

- (i) the date of appointment in case of employees covered under clause (a),
- (ii) the first day of the month following the month in which the result of the examination is declared, in case of employees covered under clause (b),
- (iii) the 1st day of April, 1989, in case of employees covered under clause (c).
- (2) An employee in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer who was in receipt of increments or having been a graduate immediately prior to the 1st day of April 1989, and who had received the last of the increments referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules, shall be paid such allowance at such rates and from such dates as is given below:—

Date from which Allowance is payable	Amount
(i) (a) On and from the 1st day of April 1989, or	Rs. 65 per month
(b) On and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of the last increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said Rules—	

whichever is later,

- (ii) (a) on and from the 1st day of the month following the completion of two years of service commencing from the date of the last increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said Rules, or

- (b) on and from the 1st day of April 1990 —

whichever is later.

- (3) The graduation allowance shall not be treated as part of basic pay :

Provided that 60 per cent of the said allowance of an employee in the scale of pay of an Assistant or a Stenographer shall count for the purpose of Provident Fund, gratuity, house rent allowance and for refixation of salary on promotion.

19B. Personal Allowance : Personal allowance granted to an employee shall be adjusted against any increase in basic pay or upward revision of dearness allowance which the employee may be entitled to in terms of these rules.

[F. No. 2(6)/Ins. III/89]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st August, 1987. The rules are being amended accordingly with effect from 1st August, 1987.

2 It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : The principal rules were published under Notification No. GSR 357(E) dated 11-4-1985.

Subsequently amended by Notifications Nos GSR 18(E) dated 7-1-1986, GSR 1076(E) dated 11-9-1986, GSR 961(E) dated 7-12-1987 and GSRs 870(E) and 873(E) dated 22-8-1988.

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्मचारी
(परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता)
संशोधन नियम 1989

मा का नि 516(अ) -- राष्ट्रीय सर्वकार जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 (1956 का 31) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) नियम 1988 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बसोती है, अर्थात् --

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) संशोधन नियम 1989 रहेगा।

(2) ये 1 अगस्त, 1987 से प्रवृत्त समझे जाएंगे।

2 भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) नियम, 1988 ग.-

नियम 2 में सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात :-

सारणी

वृत्तिक/व्यवसायिक परीक्षा	विशेष भत्ता
(1)	(2)
(i) भारतीय बीमा संस्थान, मुम्बई की परीक्षाएं :	
(क) लाइसेन्सिंग	40 रु. प्रतिमास
(ख) असोसिएटशिप	120 रु. प्रतिमास
(ग) फेलोशिप	200 रु. प्रतिमास
(ii) इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्टुअरी, लंदन प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने पर की परीक्षाएं :	40 रु. प्रतिमास
(iii) भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान तथा भारतीय लागत और संकर्म एकाउन्टेन्ट संस्थान की परीक्षाएं :	
(क) इंटरमीडिएट	80 रु. प्रतिमास
(ख) फाइनल समूह 'क' या 'ख'	150 रु. प्रतिमास
(ग) फाइनल समूह 'क' और 'ख'	200 रु. प्रतिमास

[फा. स. 2 (6)/बीमा. III/89]

संशोधक ज्ञापन

केंद्रीय सरकार ने कुछ बिनिर्दिष्ट परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को 1 अगस्त 1987 से संशोधित वर्गों पर भत्ता देने की मंजूरी दी है। तदनुसार नियमों का 1 अगस्त, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को भूखण्डी प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाठ टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. सा. फा. नि 491(अ) तारीख 22-4-1988 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III EMPLOYEES (SPECIAL ALLOWANCE FOR PASSING EXAMINATION) AMENDMENT RULES, 1989.

G.S.R. 516 (E) : —In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of

India Class III Employees (Special Allowance for Passing Examination) Amendment Rules, 1989.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1987.

2. In the Life Insurance Corporation of India class III employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988, —

In rule 2, for the Table the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Professional/Technical Examination	Special Allowance
(1)	(2)
(i) Examination of the Insurance Institute of India Bombay :	
(a) Licentiate	Rs. 40/- per month
(b) Associateship	Rs. 120/- per month
(c) Fellowship	Rs. 200/- per month
(ii) Examination of the Institute of Actuaries, London.	
	Rs. 40/- per month on passing each subject.
(iii) Examination of the Institute of Chartered Accountants of India and the Institute of Cost and Works Accountants of India :	
(a) Intermediate	Rs. 80/- per month
(b) Final Group 'A' or 'B'	Rs. 150/- per month
(c) Final Group 'A' and 'B'	Rs. 200/- per month

[F.No.2(6)/Ins.III/89]

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the rates of Special Allowance for passing certain specified examination being paid to the employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from 1st August, 1987. The rules are being amended accordingly with effect from 1st August, 1987.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : Principal rules were published under Notification No.G.S.R.491(E) dated 22-4-1988.

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी
(किट भत्ता संदाय) संशोधन नियम, 1989

मा. का. नि. 517(अ) :— केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (किट भत्ता संदाय) नियम, 1988 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (किट भत्ता संदाय) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) ये 1 अगस्त, 1987 से प्रवृत्त समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (किट भत्ता संदाय) नियम, 1988 में "400 रु." शब्दों और शब्दों के स्थान पर "500 रु." शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 2 (6) बीमा III/89]

एच. आर. रंगनाथन, अपर सचिव, (बीमा)

स्वाधिकारक ज्ञापन :

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को 1 अगस्त, 1987 से संशोधित दरों पर किट भत्ता देने की मंजूरी दी है। तदनुसार नियमों का 1 अगस्त, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को मूलकी प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पण. मूल नियमों अधिसूचना स. सा. का. नि. 490(अ) तारीख 22-4-1988 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLO- YEEES (PAYMENT OF KIT ALLOWANCE) AMENDMENT RULES, 1989.

G.S.R. 517(E).—In exercise of the powers conferred
by section 48 of the Life Insurance Corporation Act,

1956 (31 of 1956), the Central Government hereby
makes the following rules to amend the Life Insurance
Corporation of India Class III and Class IV Emplo-
yees (Payment of Kit Allowance) Rules, 1988,
namely :—

1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Life Insurance
Corporation of India Class III and Class IV Emplo-
yees (Payment of Kit Allowance) Amendment Rules,
1989.

(2) These rules shall be deemed to have come
into force on the 1st day of August, 1987.

2. In rule 2 of the Life Insurance Corporation of
India Class III and Class IV Employees (Payment
of Kit Allowance) Rules, 1988, for the words and
figures "Rs. 400", the words and figures "Rs. 500"
shall be substituted.

[F. No. 2(6)Ins. III/89]

N.R. RANGANATHAN, Addl. Secy.
(Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval
to revise the rate of Kit Allowance being paid to the
employees of the Life Insurance Corporation of India
with effect from 1st August, 1987. The rules are being
amended accordingly with effect from 1st August
1987.

2. It is certified that no employee of the Life
Insurance Corporation is likely to be affected adversely
by the notification being given retrospective effect.

Foot Note : Principal rules were published vide
notification G.S.R. 490(E) dated
22-4-1988.

